हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 144 | प्रयागराज, शुक्रवार 25 अगस्त , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

अटल और मोदी सरकार ने लॉन्च किया चंद्रयान मिशन, नेहरू के गीत गाना बंद करे कांग्रेस : मालवीय

नई दिल्ली। चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग के बाद कांग्रेस और भाजपा में राजनीतिक बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के नेता जहां देश की इस उपलब्धि का श्रेय देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को देते हुए उनके साइंटिफिक टेम्पर को याद कर रहे हैं तो वहीं भाजपा चंद्रयान मिशन की कामयाबी का श्रेय अपने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को को देते हुए यह कह रही है कि चंद्रयान मिशन का सपना भाजपा के प्रधानमंत्री ने देखा था। भाजपा ने कहा है कि यूपीए सरकार ने तो इस परियोजना को फंड तक नहीं दिया था। कांग्रेस नेहरू के साइंटिफिक टेम्पर के बारे में मिथक बनाने का प्रयास कर रही है, उन्हें नेहरू का गीत गाना बंद कर देना चाहिए।

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने एक्स पर कहा, 15 अगस्त 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने चंद्रमा मिशन चंद्रयान–1 की घोषणा की, जो वादे के अनुसार 2008 में पूरा हुआ। कांग्रेस ने अपने पैर पीछे खींच लिए और 2014 तक चंद्रयान–2 पर कोई प्रगति नहीं की। फिर वे बाहर हो गए। 2014 के बाद, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने चंद्रमा मिशन को फास्ट ट्रैक पर रखा। चंद्रयान –2 को फंड किया और चंद्रयान –3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजा। भारत द्वारा लॉन्च किए गए सभी चंद्रमा मिशनों की कल्पना भाजपा प्रधानमंत्रियों के तहत की गई थी। मालवीय ने आरोप लगाया कि, इन सभी वर्षों में कांग्रेस गांधी परिवार के इर्द–गिर्द घूम कर उन्हें प्रमोट करने में ही लगी हुई थी। इसमें नेहरू के गैर–मौजूद वैज्ञानिक स्वभाव के बारे में मिथक बनाना भी शामिल है। मालवीय ने अपने एक और एक्स में कांग्रेस पर राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को फंड नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा, ष्बहुत पहले नहीं, अक्टूबर 2013 में, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सत्ता में थी, तब भी इसरो अपने दूसरे चंद्रमा मिशन चंद्रयान –2 के लिए एक लैंडर और एक रोवर विकसित करने के लिए अधिक धनराशि के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा था। 2014 में भारत ने प्रधानमंत्री मोदी को चुना। अंतरिक्ष अनुसंधान का बजट 2013–14 के 5,615 करोड़ से 123 प्रतिशत बढ़कर 2023–24 में 12,543 करोड़ हो गया। भारत ने 2014 के बाद 389 अंतर्राष्ट्रीय उपग्रह लॉन्च किए। इससे पहले के सभी वर्षों में इसने केवल 35 लॉन्च किए थे। इन अंतर्राष्ट्रीय लॉन्चों से 2014 के बाद भारत को 157 मिलियन अमेरिकी डालर (कुल कमाई 174 मिलियन अमेरिकी डालर) और 223 मिलियन यूरो (कुलरू 256 मिलियन यूरो) प्राप्त हुए। कुल मिलाकर 3,300 करोड़ रुपये के लगभग प्राप्त हुए। 2019 में चंद्रयान–2 को स्थापित करने के असफल प्रयास के बाद, भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान–3 को भी उतारा। ऐसा करने वाला वह एकमात्र देश है। हमने हार नहीं मानी।

चंद्रयान–३ की सफलता से रोमांचित सोनिया गाँधी, कहा- इसरो की क्षमताएं दशकों में बनीं

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गाँधी ने गुरुवार को चंद्रयान–3 मिशन की सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई देते हुए कहा कि इसकी उत्कृष्ट क्षमताएं दशकों में विकसित हुई हैं। इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ को लिखे अपने बधाई पत्र में सोनिया गांधी ने कहा, यह आपको बताने के लिए है कि कल (बुधवार) शाम इसरो की शानदार उपलब्धि से मैं कितनी रोमांचित हूँ। यह सभी भारतीयों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए बहुत गर्व और उत्साह की बात है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा, इसरो की उत्कृष्ट क्षमताएं दशकों में बनी हैं। इसके पास उल्लेखनीय नेतृत्व और सामूहिक प्रयास की भावना ने इसे हमेशा प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि 60 के दशक की शुरुआत से आत्मनिर्भरता पर टिके रहने का इसकी बड़ी सफलताओं में योगदान है। उन्होंने कहा, मैं पूरी इसरो बिरादरी को शुभकामनाएं देती हूं और इस महत्वपूर्ण अवसर पर इसके प्रत्येक सदस्य को हार्दिक बधाई देती हूं। उनकी टिप्पणी तब आई जब भारत के चंद्रमा लैंडर ने योजना के अनुसार बुधवार शाम को सफलतापूर्वक चंद्रमा की धरती पर अपने चार पैर आसानी से और सुरक्षित रूप से स्थापित कर दिए। यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। चालीस दिन से अधिक समय में लगभग 3.84 लाख किमी की यात्रा करने के बाद लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरा। लैंडिंग के साथ, 600 करोड़ रुपये के चंद्रयान –3 मिशन का एक बड़ा हिस्सा पूरा हो गया है।

पुराने घर में शिफ्ट नहीं होना चाहते राहुल गांधी,ठुकराया 12 तुगलक लेन वाला सरकारी आवास

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 तुगलक लेन वाले बंगले में शिफ्ट नहीं होना चाहते हैं। उन्होंने इस बार में हाउसिग कमेटी को पत्र लिखकर अवगत करा दिया है। राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद उन्हें पुराना आवास दोबारा आवंटित हो गया था। बंगले में वापसी के लिए राहुल गांधी को 15 दिन के अंदर लोकसभा कमेटी में जवाब देना था, जिसकी डेडलाइन 23 अगस्त को समाप्त हो गई है। वहीं, राहुल गांधी ने इस बंगले में रहने से क्यों मना किया है, इसके पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। बता दें कि, राहलु गांधी 19 साल से 12 तुगलक लेन वाले सरकारी बंगले में रह रहे थे। मोदी सरनेम मामले में सूरत हाईकोर्ट से दो साल की सजा मिलने के बाद उन्हें यह सरकारी बंगला खाली करना पड़ा था। संसद सदस्यता बहाल होने के साथ ही उन्हें पुराना आवास दोबारा आवंटित कर दिया था। इस्टेट ऑफिस ने राहुल गांधी से 8 दिनों के भीतर जवाब देने के लिए कहा था कि क्या वह उसी घर में रहना चाहते हैं या नहीं। अमेठी से सांसद चुने जाने के बाद राहुल गांधी को यह बंगला मिला था। हालांकि, कांग्रेस नेता ने राजधानी दिल्ली में एक बंगला देखा है। राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ लुटियन जोन में 7 सफदरजंग लेन का घर देखा था। 7 सफदरजंग लेन वाला यह बंगला 1980 में सांसद महाराजा रंजीत सिंह गायकवाड़ को आवंटित किया गया था। महाराजा रंजीत सिंह 27 नवंबर, 1989 तक सांसद रहे। 27 दिसंबर, 1989 को आवंटन रद्द कर दिया गया था। राहुल गांधी ने 22 अप्रैल को अपना बंगाल खाली करना पड़ा था। इसके बाद कांग्रेस नेता अपनी मां सोनिया गांधी के आवास पर शिफ्ट हो गए थे।

राजस्थान में रचा जाएगा इतिहास, कांग्रेस एक बार फिर करेगी सत्ता में वापसी, सचिन पायलट ने जताया भरोसा

विजयनगर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में इतिहास रचा जाएगा और यहां कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी। साथ ही उन्होंने मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केन्द्र और राज्य दोनों जगह अपनी भूमिका निभाने में विफल रही है। पायलट ब्यावर जिले के विजयनगर में किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्य में बारी–बारी से कांग्रेस और भाजपा की सरकार बनने की दशकों पुरानी परिपाटी का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा, ''पिछले पच्चीस तीस साल से राज्य में पांच–पांच साल (की सत्ता) का क्रम चला आ रहा है। पांच साल कांग्रेस की सरकार बनती है, पांच साल भाजपा की बनती है। मुझे ऐसा अहसास हो रहा है कि इस बार 2023 में इतिहास रचा जाएगा और पुनः कांग्रेस पार्टी की सरकार यहां बनेगी। पायलट ने कहा, ''वह (कांग्रेस की सरकार) इसलिए बनेगी क्योंकि हम लोगों ने अपने–अपने इलाकों में काम किया है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मध्य प्रदेश में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा कि इनके परिणामों का 2024 के लोकसभा चुनाव पर गहरा असर होगा। कांग्रेस नेता ने कहा, ''आज भी हमारी हर योजना, हर नीति, हर कार्यक्रम और बजट में हमारी सबसे पहली चिंता होती है कि नौजवानों की मदद कैसे हो सकती है, किसान भाइयों की मदद कैसे कर सकते हैं। भाजपा पर केन्द्र और राज्य में अपनी भूमिका निभाने में असफल रहने का आरोप लगाते हुए पायलट ने कहा, ''केन्द्र में ऐसी पार्टी की सरकार है जो केन्द्रीय सत्ता में असफल हो गई है। वह राजस्थान में विपक्ष की भूमिका में असफल हो गई है। राजस्थान में भाजपा का जो हाल है वह आपके सामने है। लोकतंत्र में सरकार के साथ–साथ विपक्ष की बड़ी भूमिका होती है। राज्य में भाजपा ने सदन में तथा सदन के बाहर अपनी भूमिका नहीं निभायी है। केन्द्र की राजग सरकार पर निशाना साधते हुए पायलट ने कहा, ''इसके नौ साल के शासनकाल में हर वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इस सरकार ने वोट लेने के बाद हर वर्ग को सिर्फ पीड़ा और परेशानी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि, 'देश में अमीर व गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। जरूरी सामान की कीमतें आसमान छू रही हैं।

कर्मचारियों के खिलाफ 500 से अधिक अनुरोध को सरकारी मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की 2022 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगने वाले सीबीआइ के 500 से अधिक अनुरोध विभिन्न सरकारी विभागों में लंबित हैं। सीवीसी की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि 272 अनुरोध तीन महीने से अधिक समय से लंबित हैं। सरकारी विभागों को किसी भ्रष्ट अधिकारी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगने वाले अनुरोधों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होता है। हालांकि, ऐसे मामलों में एक महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है, जहां अटार्नी जनरल या उनके कार्यालय में किसी अन्य कानून अधिकारी के साथ परामर्श की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल 525 लंबित अनुरोधों में से सबसे अधिक 167 वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग के पास, 41 महाराष्ट्र सरकार के पास और 31–31 अनुरोध वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग, कोयला एवं खनन मंत्रालय के पास लंबित हैं।

प्रकृति का कहर, मूसलाधार बारिश से मकान का छत गिरा, पिता-पुत्री समेत तीन की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इसी क्रम में संभल जिले में बारिश से एक कच्चा मकान गिर गया। जिससे एक ही परिवार पांच लोग दब गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों और गांव की मदद से राहत बचाव शुरू किया गया। आनन– फानन में लोगों ने घायल अवस्था में सभी को अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने पिता–पुत्री समेत तीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि शेष घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों और रिश्तेदारों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के मुताबिक मामला संभल जिले के धनारी थाना क्षेत्र का है जहां पर लगातार हो रही बारिश के चलते मकान गिरने से पिता पुत्री की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। जबकि नखासा थाना क्षेत्र में मकान की छत गिरने से वृद्धा की मौत हो गई। जिलेभर में बरसात के दौरान दर्जनों मकान धराशाई हो गए हैं। इसमें आठ लोग घायल हैं। गांव धनारी पट्टी लाल सिंह निवासी नरेश कश्यप (30) ठेला लगाकर चाऊमीन बेचने का काम करता था।

घायल संभल श्याम बाबू ने बताया बारिश की वजह से नरेश कश्यप, पत्नी नीतू, बेटी वंदना और मधु (3) घर में ही थे, बेटा नंदकिशोर स्कूल गया था। बारिश के दौरान अचानक कच्चा मकान गिर गया। मलबे में नरेश कश्यप समेत सभी परिजन दब गए। आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और मलबा हटाया, लेकिन तब तक नरेश कश्यप और मधु की मौत हो चुकी थी जबकि घायल नीतू व वंदना को धनारी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जनपद की दूसरी घटना थाना नखासा थाना क्षेत्र के गांव केशोपुरी भंडी में बारिश के दौरान कच्चे मकान की छत गिरी। जिसमें सोनिया (70 वर्ष) की मौत हो गई जबकि उसकी पुत्रवधू मीरा, पौत्र श्यामबाबू, रामबाबू और प्रेमबाबू घायल हो गए। फिलहाल इस घटना के बाद गांव में कोहराम से बचा है और इधर प्रशासन भी एलर्ट हुआ है मकान की जांच पड़ताल करने के लिए अधिकारियों ने लेखपाल और हलके के थाना प्रभारी को भेजा है। मामले की जांच पड़ताल के बाद मृतक के परिजनों को सरकार की तरफ से सहायता राशि भी देने की घोषणा की गई है।

स्पाइसजेट को सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को स्पाइसजेट एयरलाइन को पूर्व प्रमोटर कलानिधि मारन की बकाया रकम पर ब्याज में राहत देने से इनकार कर दिया है। दरअसल, स्पाइसजेट ने हाईकोर्ट की सिंगल जज बेंच के आदेश के याचिका खिलाफ लगाई गई थी। इस आदेश में सिंगल जज बेंच ने कलानिधि मारन को स्पाइसजेट से मिलने वाले आर्बिट्रल अवॉर्ड पर लगने वाले ब्याज को रद्द करने से इनकार कर दिया था। काल एयरवेज और इसकी प्रोमोटर कलानिधि मारन को मुकदमे के दौरान पेंडिंग अमाउंट पर 12: ब्याज मिलना है। जबकि फाइनल डेट के बाद स्पाइसजेट और चेयरपर्सन अजय सिंह को 18: ब्याज चुकाना होगा। यह रकम भी अवॉर्ड डेट के दो महीने के भीतर चुकानी होगी। स्पाइसजेट का कहना था कि वे फंड्स की कमी के चलते मारन को बकाया नहीं चुका पाए और अगर कंपनी दिवालिया हो जाती, तो मारन ऑपरेशनल क्रेडिटर बन जाते, इससे भी उन्हें कोई फायदा नहीं होता। डिवीजन बेंच ने कहा कि वे सिंगल जज बेंच के ऑर्डर पर स्टे नहीं लगा सकते, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पाइसजेट को मारन को दिए जाने वाले पेमेंट में एक्सटेंशन देने से इनकार कर दिया था। कलानिधि मारन काल एयरवेज के प्रोमोटर हैं।31 जुलाई को हाईकोर्ट ने 2018 के आर्बिट्रेशन अवॉर्ड को बरकरार रखा था, जिसके तहत स्पाइसजेट को काल एयरवेज और इसके चेयरपर्सन मारन को 578 करोड़ रुपए चुकाने थे। कोर्ट ने एयरलाइन को आदेश दिया था कि वे 308 करोड़ रुपए ब्याज के साथ मारन को चुकाएं और 270 करोड़ रुपए कमलेटिव रिडीमेबल प्रिफरेंस शेयर के तौर चुकता करें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 जुलाई को स्पाइसजेट लिमिटेड को कलानिधि मारन को भुगतान करने का आदेश दिया था। तब कोर्ट ने स्पाइसजेट को भुगतान के लिए और समय देने से भी इनकार कर दिया था। जून में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी स्पाइसजेट से मारन को 380 करोड़ रुपए देने को कहा था। कोर्ट ने साथ ही कंपनी को चार हफ्ते के अंदर अपने सारे एसेट्स की जानकारी देने को भी कहा था। यह मामला 7 साल पुराना है और स्पाइसजेट के चेयरमैन–मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह और मारन तथा उनकी कंपनी केएएल एयरवेज के बीच शेयर ट्रांसफर विवाद से जुड़ा है। 2018 के आर्बिट्रेशन अवॉर्ड के तहत मारन ने एयरलाइन कंपनी से 362.49 करोड़ रुपए लेने का दावा किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 13 फरवरी को स्पाइसजेट को इसके ब्याज के रूप में 75 करोड़ रुपए मारन को देने का आदेश दिया था। स्पाइसजेट ने भुगतान करने की अवधि को आगे बढ़ाने के लिए कोर्ट में याचिका लगाई थी। लेकिन तब कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि कंपनी यह पैसा देना ही नहीं चाहती है, इसलिए इस तरह के अड़ंगे डाल रही है।

हिमाचल प्रदेश 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का हुआ नुकसान

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई तबाही को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने आपदा राहत कोष में 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वहीं, चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाइवे की रुकावट के कारण 800 से अधिक यात्रियों के फंसे होने पर, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने गुरुवार को कहा कि सरकार उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रही है। वे मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध होने के कारण मंडी और कुल्लू शहरों के बीच फंस गए हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सरकार सड़कों को बहाल करने और स्थिति को सामान्य बनाने के प्रयास कर रही है और तब तक जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि वे मुफ्त में उनके रहने और खाने की पर्याप्त व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडोह के पास भारी भूस्खलन के कारण मंडी और कुल्लू के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ है और इसे बहाल करने में कुछ समय लगेगा।

प्याज की कीमतों को लेकर किसानों ने नासिक में किया प्रदर्शन, कम दाम मिलने से नाराज

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक के कुछ एपीएमसी में बृहस्पतिवार को प्याज की नीलामी शुरू हुई लेकिन कम कीमतों के कारण इसे कुछ देर बाद ही बंद कर दिया गया। प्याज की नीलामी सोमवार से बंद थी। इस बीच करीब 500 किसानों ने प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाने के विरोध में मुंबई–आगरा राजमार्ग को अवरूद्ध कर दिया। देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव के साथ–साथ पिंपलगांव और चंदवाड़ में एपीएमसी में सुबह नीलामी शुरू हुई, लेकिन कुछ समय बाद कम कीमत के कारण इसे रोक दिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के शीर्ष संगठन नेफेड और एनसीसीएफ ने प्याज की कीमत 2,410 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की थी। किसानों को इतनी रकम न मिल पाने और इससे कम कीमतों के कारण प्याज की नीलामी आज रोकी गई। किसानों ने इसलिये भी नीलामी रोक दी क्योंकि मौके पर नेफेड या भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। लासलगांव में प्याज से लदे लगभग 300 वाहन सुबह नीलामी के लिए पहुंचे, प्रति क्विंटल न्यूनतम कीमत 600 रुपये जबकि अधिकतम मूल्य 2,500 रुपये और औसत कीमत 2,251 रुपये थी। चंदवाड़ में कीमत 1700–1800 रुपये प्रति क्विंटल थी। नीलामी सुबह 8.30 बजे शुरू हुई, लेकिन केवल 15–20 मिनट तक चली क्योंकि किसान नाखुश थे। नीलामी दोपहर तक दोबारा शुरू नहीं हुई थी और अधिकारियों ने दोपहर बाद नीलामी होने की उम्मीद जताई। बाद में, 500 से अधिक किसानों ने निर्यात शुल्क लगाये जाने के फैसले को वापस लेने की मांग करते हुए जिले के ग्रामीण हिस्से चंदवाड़ में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन जिले के देहात इलाके चंदवाड़ में हुआ और मुख्य सड़क लगभग डेढ़ घंटे तक बाधित रही। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया गया। केंद्र की ओर से प्याज पर लगाये गये निर्यात शुल्क के खिलाफ जिले में सोमवार से आंदोलन जारी है। आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर बढ़ती कीमतों के संकेतों के बीच केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए इसके निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगा दिया था।

सम्पादकीय

अभिमान का चंद्रयान

निस्संदेह, यह चंद्रमा पर भारतोदय है। भारतीयों की आस्था व साहित्य के तमाम प्रतीक–प्रतिमानों में गहरे तक ऊंचा स्थान रखने वाले चंद्रमा पर भारतीय मेधा की दस्तक विषमयकारी है। जिस भारत को पश्चिमी देश हेय दृष्टि से सांप–सपेरों का देश कहते थे, उसके वैज्ञानिकों ने वो करिश्मा कर दिखाया कि हैरत में दुनिया ने दांतों तले अंगुली दबा ली है। वह इसीलिये कि इस बेहद जटिल अभियान के लक्ष्य चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है। विश्व की एक महाशक्ति रूस के लूना–25 मिशन के पिछले दिनों क्रैश होने ने बताया कि यह अभियान कितना जटिल था। चंद्रयान–2 की कड़वी यादों से सबक लेकर हमने कामयाबी की नई इबारत लिखी है। वह भी इतनी किफायती लागत में कि जितने में हॉलीवुड की एक फिल्म बन पाती है। यही वजह है कि दुनिया में भारत की कामयाबी की चर्चा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा तथा यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने चंद्रयान की सफलता पर इसरो को बधाई दी है। निस्संदेह, बधाई बनती है क्योंकि चांद के दक्षिण ध्रुव पर दस्तक देने की कोशिश में रूस, चीन व इस्राइल के मिशन विफल हो चुके हैं। चांद के इस हिस्से में भविष्य के लंबी दूरी के अंतरिक्ष अभियान के लिये पानी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। दरअसल, भारत द्वारा 2008 में भेजे गये पहले चंद्रयान अभियान ने नये सिरे से चंद्रमा के अभियानों की होड़ दुनिया में पैदा की। निस्संदेह, चंद्रयान अभियान की कामयाबी ने राष्ट्रवाद का ज्वार देश में पैदा किया। ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दक्षिण अफ्रीका से वर्चुअली इसरो के वैज्ञानिकों व देशवासियों को बधाई दी। कहा कि भारत ने बार–बार साबित किया है कि उड़ान की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने भविष्य में अंजाम दिये जाने वाले ह्यूमन मिशन गगनयान का उल्लेख किया। साथ ही जल्दी सूर्य के विस्तश्त अध्ययन के लिये भेजे जाने वाले इसरो के आदित्य एल–वन मिशन का भी जिक्र किया।

निस्संदेह, भारत का चंद्रयान–3 अभियान मानवतावादी विचार के साथ आगे बढ़ा है। जो जी–20 की अध्यक्षता करते भारत में इसके उद्घोष वन अर्थ, वन फैमिली का प्रतिनिधित्व करता है। अब चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर के निकलने और शोध अभियान को आगे बढ़ाने की तैयारी है। फिर जमीन के अध्ययन से चंद्रमा में मौजूद रसायनों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी। चौदह जुलाई को श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने वाले चंद्रयान ने यह कामयाबी चालीस दिनों की यात्रा में पूरी की। भारत ने नई तकनीक से इस अभियान को अंजाम दिया। जिसकी कामयाबी के बाद भारत दुनिया में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक मजबूत अंतर्राष्ट्रीय साझेदार के रूप में उभरेगा। निस्संदेह, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान यानी इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ व उनकी टीम बधाई की पात्र है। उनके अथक प्रयासों ने देश को गर्व करने का एक विशिष्ट दिन दिया। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस अभियान से चंद्रमा के बारे में ऐसी जानकारियां सामने आएंगी जिनसे अब तक दुनिया अनभिज्ञ थी। निस्संदेह, इस अभियान की सफलता में नासा, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन के ग्राउंड स्टेशंस का भी सहयोग मिला। जो देश की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता को दर्शाता है। इसी कड़ी में देश को सूर्य मिशन आदित्य एल–1 के सफल प्रक्षेपण का इंतजार है, जो धरती से पंद्रह लाख किलोमीटर की दूरी पर सूर्य के रहस्यों को खोजने का प्रयास करेगा। बहरहाल, ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्र के जीवन में नई चेतना का संचार करने में सहायक होती हैं। किसी भी राष्ट्र के जीवन में ये पल अविस्मरणीय होते हैं। निस्संदेह, इसरो के वैज्ञानिकों की मेधा का शंखनाद नयी वैज्ञानिक उपलब्धियों व शोध का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। बेशक, अब हम खुली आंख से चांद से आगे के सपने देखने का दावा कर सकते हैं। सफलता के इस मौके पर हमें देश के महान वैज्ञानिकों होमी भाभा और विक्रम साराभाई की दूरदर्शिता का स्मरण करना चाहिए, जिनकी कोशिशों से हम दुनिया में विज्ञान व शोध की नई इबारत लिख पा रहे हैं। निश्चित रूप से यह नीति–नियंताओं के प्रोत्साहन और वैज्ञानिकों की मेधा व अथक प्रयासों से संभव हो पाया है।

जो सोचना मुश्किल था

मणिपुर में फिर पुष्टि हुई है कि वहां संवैधानिक व्यवस्था भंग हो चुकी है। अगर संवैधानिक पदों पर बैठे सभी लोग संविधान की भावना और प्रावधानों के मुताबिक नहीं, बल्कि अपने स्वविवेक से चलने लगेंगे, तो संवैधानिक व्यवस्था का तहस–नहस हो जाना तय है। देश में संवैधानिक प्रावधान किस तरह अप्रसांगिक होते जा रहे हैं, इसकी ताजा मिसाल मणिपुर में देखने को मिली है। संसद या विधानसभा का सत्र बुलाने के मंत्रिमंडल के अनुरोध की राष्ट्रपति या राज्यपाल अनदेखी कर दें, ऐसी कोई व्यवस्था भारतीय संविधान में नहीं है। अगर कोई भ्रम था भी, तो उसे सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 2016 में स्पष्ट कर दिया, उसने व्यवस्था दी कि ऐसे अनुरोध को मानने के लिए राज्यपाल बाध्य हैं। लेकिन मणिपुर की राज्यपाल अनसुइया उइके ने इस प्रावधान का खुला उल्लंघन कर दिया है। मणिपुर की सरकार ने पहले 27 जुलाई और फिर चार अगस्त को राज्यपाल को 21 अगस्त को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का परामर्श भेजा। यह तारीख सोमवार को निकल गई, जबकि सत्र नहीं हुआ। स्पष्टतरू राज्यपाल ने या तो अपने विवेक से या फिर केंद्र के निर्देश पर सत्र ना बुलाने का फैसला किया। मगर मुद्दा यह है कि ऐसा करने का कोई अधिकार उनके पास नहीं है। अगर संवैधानिक पदों पर बैठे सभी लोग संविधान की भावना और प्रावधानों के मुताबिक नहीं, बल्कि अपने स्वविवेक से चलने लगेंगे, तो संवैधानिक व्यवस्था का तहस–नहस हो जाना तय है।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन

जम्मू–कश्मीर राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीरी इलाकों के करीब लोगों को रिझाने के उपक्रम में इस प्रकार लगा हुआ है कि भारतीय पर्यटक अपनी निगाहों से कुछ गज के फासले पर ही उस कश्मीर का नजारा कर सकें जिसे पाकिस्तान ने हथियाया हुआ है। दरअसल दोनों कश्मीर के बीच में जो नदी बहती है उसे भारतीय 'किशन गंगा' और पाकिस्तानी 'नीलम नदी' कहते हैं। दोनों कश्मीरों को यह नदी बांटती है और कहीं–कहीं यह इस तरह बहती है कि इसके दोनों किनारों पर बसी बस्तियों के लोग अगर ऊंची बा–बुलन्द आवाज में भी बोल दें तो एक–दूसरे को सुन सकें। ऐसा ही एक छोर कुपवाड़ा जिले के केरन गांव में पड़ता है। उत्तरी कश्मीर में बसा यह गांव पाक अधिकृत कश्मीर के बहुत करीब है। दस हजार की आबादी वाले इस गांव में भारतीय पर्यटकों की भारी भीड़ आकर्षित हो रही है और यहां होम स्टे व टैंट लगा कर पर्यटकों को ठहराने का व्यवस्था जोरों पर है। पर्यटकों को यह देख कर रोमांचित होना स्वाभाविक है कि नदी के इस तरफ भारत है और उस तरफ पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर है। वे उस पार बने मकानों व वाहनों को आते–जाते साफ देख सकते हैं। नदी पार स्थित मस्जिद से जब अजान दी जाती है तो इस पार के लोग वक्त मिला लेते हैं और जब इस तरफ की मस्जिद में अजान होती है तो उस तरफ के लोग भी मस्जिद जाने लगते हैं। नियन्त्रण रेखा के इतने करीब रह कर दूसरे देश के दृश्य देखना वास्तव में रोमांचकारी तो होता ही है।

जम्मू–कश्मीर प्रशासन ऐसे पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है। इसकी असल वजह यह है कि भारत–पाकिस्तान के बीच विगत 2021 से फौजी युद्ध विराम लागू है। अब नियन्त्रण रेखा के करीब गोलियां व बम आदि नहीं चलते जिसे देखते हुए प्रशासन ऐसे स्थान पर पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है। पहले केवल सुरक्षा बलों के सैनिकों व स्थानीय निवासियों को ही ऐसे स्थानों पर जाने की छूट थी मगर युद्ध विराम के बाद प्रशासन ने ऐसे स्थानों को पर्यटन के लिए भी चुना है। यह तो हकीकत है कि दोनों तरफ के कश्मीरों में मूलतः कश्मीरी ही रहते हैं। हालांकि पाकिस्तान ने अपने कश्मीर की जनसंख्या में परिवर्तन किया है परन्तु इसके बावजूद दोनों तरफ के कश्मीरियों के रिश्तेदार एक– दूसरे के इलाकों में रहते हैं। भारत सरकार ने नियन्त्रण रेखा के बहुत करीब पर्यटन को बढ़ावा देने का फैसला ऐसे समय में किया है जबकि भारत व पाकिस्तान दोनों ही देशों में चुनाव होने वाले हैं। हम जानते हैं कि भारत व पाकिस्तान की अन्दरूनी राजनीति इस तरह की है कि दोनों देशों की घटनाओं का एक–दूसरे की राजनीति पर असर पड़े बिना नहीं रहता। इसकी वजह यह है कि 75 साल पहले भारत को काट कर ही पाकिस्तान मजहब की बुनियाद पर बना और इस मुल्क के रहनुमाओं ने भारत विरोध को अपना ईमान बनाया। इस विरोध में हिन्दू विरोध पाकिस्तान की तामीर होने की शर्त में ही समाहित रहा। अतः पाकिस्तानी सियासी पार्टियों की राजनीति के केन्द्र में भारत विरोध ही रहा जबकि दूसरी तरफ भारत में पाकिस्तान विरोध राजनीति के केन्द्र में कभी नहीं आया। हां थोड़ा असर तब देखने में आने लगा जब पहली बार इसने 1965 में भारत के खिलाफ पूरा फौजी युद्ध किया और मुंह की खाई। इसके बाद 1971 के युद्ध में तो भारत ने पाकिस्तान को बीच से चीर कर दो टुकड़ों में बांट दिया। इसके बाद 1989 से जब पाकिस्तान ने कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देना शुरू किया और कश्मीर में घुसपैठ करानी शुरू की तो भारत ने चौंकन्ना होकर काम करना शुरू किया परन्तु 1999 में पाक ने कारगिल युद्ध छेड़कर साफ कर दिया कि उसकी फितरत सिर्फ भारत के प्रति नफरत है और उसने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की मर्यादाओं को खुलकर लांघना शुरू किया। वरना पहले यह अलिखित सिद्धान्त था कि भारत में जब भी चुनाव होते थे तो पाकिस्तानी हुक्मरान कोई ऐसा काम नहीं करते थे जिससे भारत की अन्दरूनी राजनीति प्रभावित हो। भारत का तो यह विश्व विदित सिद्धान्त ही है कि वह किसी दूसरे देश की घरेलू राजनीति में दखल नहीं करता है। मगर हमने देखा कि 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले पाकिस्तान ने किस तरह पुलवामा कांड किया और भारतीय सैनिकों को शहीद किया। उससे पहले के वर्षों में वाजपेयी शासन के दौरान किस प्रकार अमरनाथ यात्रियों की भी हत्या की गई और ऐसा हमला बाद में भी करने की कोशिश की गई। हकीकत यह है कि पाकिस्तान की सियासी जमातों में कट्टरपंथी विचारधारा के लोग भरे पड़े हैं और वे चुनाव जीतने के लिए भारत के खिलाफ कुछ न कुछ बखेड़ा खड़ा करके लोगों के वोट हड़पने की कोशिश में रहते हैं। पाकिस्तान में भारत विरोध व हिन्दू विरोध की सियासत बहुत आसान है। इमरान खान की तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी ने पिछले 2018 के चुनाव इसी नारे के साथ जीते थे कि 'बल्ला घुमाओ–भारत हराओ'। अतः जम्मू–कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही हमें किशन गंगा नदी के किनारे ठहरे भारतीय पर्यटकों की सुरक्षा के भी चाक– चौबन्द इन्तजाम रखने होंगे। निश्चित रूप से कट्टरपंथी भारत में भी हैं और वे हर मजहब में हैं। इसलिए हमें अपने नागरिकों की सुरक्षा और देश हित को सर्वोपरि रखना होगा। पर्यटन के साथ–साथ सुरक्षा पर भी बराबर ध्यान देना होगा क्योंकि पाकिस्तान में हालत तो ऐसे हैं कि यहां की दहशतगर्द तंजीमें अब सीधे यहां की फौज को ही ललकारने लगी हैं।–**आदित्य नारायण**

संयम और मनोबल विश्वास की कुंजी

असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास की परम आवश्यकता होती हैसअसफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दर्शाती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है, लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है। असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांक्षी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणति है। आज का युवा बिना सुनियोजित प्रयास के लक्ष्य की प्राप्ति की आकांक्षा रखने लगे हैं और असफल होने के बाद उसका मूल्यांकन ना कर असफल होकर किसी अन्य मार्ग को चुनने के लिए बाध्य हो जाते युवाओं की यह मानसिक स्थिति बड़ी आया हुआ है जो समाज के लिए निर्णायक साबित होती है और एक बड़ा युवा वर्ग गलत मार्ग की ओर प्रशस्त हो जाता है। ऐसे में युवाओं का जीवन बहुत ही कष्टदायक हो सकता है। युवा वर्ग को चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए निरंतर कोशिश है और निरंतर श्रम करना चाहिए इसके बाद भी यदि असफलता मिलती है तो सम्यक मूल्यांकन कर असफलता के कारणों को दूर कर दुगनी रफ्तार से मेहनत कर उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज युवा आगे बढ़कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनेगा ऐसे में युवाओं को सदैव लक्ष्य प्राप्ति और सफलता प्राप्ति के लिए निरंतर कठिन श्रम प्रयास संकल्प और अपनी जीवनी को नियमित रखना होगा जिससे घर, समाज और राष्ट्र की उन्नति भी होगी। उल्लेखनीय है की असफलता से ही सफलता की तमाम शिक्षा हमें प्राप्त होती है। विवेकानंद जी ने कहा है कि ब्रह्मांड की सारी शक्तियां हमारे ही भीतर ही है यह हम ही हैं जिन्होंने अपनी आंखों के सामने हाथ रखा है और रोते हुए कहते हैं कि अंधेरा है। मनुष्य के जीवन में आत्मविश्वास ही ऐसा गुण है जिससे हम संकल्पित होकर बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर जीवन में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी लाल बहादुर शास्त्री, नरेंद्र मोदी और सबसे बड़े सफलता के और आत्मविश्वास के उदाहरण महात्मा गांधी ही हैं जिन्होंने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से देश को आजादी दिलाने का महान कार्य किया है। फिर ऐसा क्या है कि देश के युवा वर्ग की बड़ी जनसंख्या हाथ में हाथ धरे सफलता का बैठे–बैठे इंतजार करना चाहती है। देश के नौजवानों को हमारे सफल महापुरुषों से शिक्षा लेकर सफलता के लिए अनंत तक आत्मविश्वास के साथ निरंतर श्रम करना चाहिए जिससे न सिर्फ उनका भला हो बल्कि पूरे समाज और पूरे देश का भला हो सके और देश पूरे विश्व में सीना तान कर अपने आसपास और सफलता की गाथा सुना सके। यह देखा गया है कि मानव अहंकार को ही आत्मविश्वास समझने की भूल कर देते हैं किंतु आत्मविश्वास घमंड और अहंकार मैं बहुत बड़ा फर्क है। आत्मविश्वास अहंकार विहीन विनम्रता के साथ परिश्रम और संयम संकल्प लेकर सफलता के लक्ष्य की ओर पदार्पण ही है। फल स्वरुप अहंकार को त्याग कर संपूर्ण विश्वास को लेकर देश हित में सफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए।–**संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन परोपकार और सदभावनाओं में बीतेगा। मानसिक रूप से कार्यभार अधिक रहेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

वृषभ :– आपको वाद–विवाद में अच्छी सफलता मिलेगी। परिश्रम की अपेक्षा कम प्राप्ति होने पर भी अपने कार्य में आप अग्रसर हो सकेंगे।

मिथुन :– भावना और संवेदनशीलता में बहकर स्त्रीवर्ग से सम्बंध न बांधें। मन दुविधा में रहने से निर्णय लेने में बाधा आ सकती है। प्रवास टालें।

कर्क :– आज का दिन प्रफुल्लितता से भरा रहेगा। नए कार्य का आरंभ भी आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से भेंट होने से आनंद हो सकता है।

सिंह :– आपके लिए मिश्र फलदायी है आज का दिन। परिजनों के साथ आप अच्छी तरह से समय बिताएंगे। उनका सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या :– आप वाक्चातुर्य से मीठे सम्बंध बांध सकेंगे, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिकरुप से समृद्धि बढ़ेगी।

तुला :– आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिक :– आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। मित्रों के साथ भेंट होगी तथा उनके साथ घूमने–फिरने, आनंद–प्रमोद करने में खर्च होगा।

धनु :– आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च पदाधिकारी खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा।

मकर :– बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवर्त्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ करेंगे।

कुंभ :– आपको आज निषेधात्मक कार्यों और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह देते हैं। झगड़े– विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

मीन :– दैनिक कार्यों से बाहर निकल कर आज आप घूमने–फिरने और मनोरंजन के पीछे समय बिताएंगे। व्यवसाय में भागीदारी के लिए शुभ समय है।

संसद में काम नहीं होता सुप्रीम कोर्ट में होता है!

सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 370 पर सुनवाई हो रही है। छह दिन की सुनवाई हो गई है और अभी तक सिर्फ याचिकाकर्ताओं के वकीलों की दलीलें सुनी गई हैं। याचिककर्ताओं का मतलब है, जिन लोगों ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी है। इसे हटाए जाने को सही ठहराने के लिए भी एक याचिका पिछले दिनों सर्वोच्च अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे अदालत ने खारिज कर दिया था। सो, 20 से ज्यादा याचिकाएं हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध किया गया है। ये याचिकाएं दायर करने वालों की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, दुष्यंत दवे आदि ने दलीलें रखी हैं।अब इसका समर्थन करने वाले यानी सरकार का पक्ष सुना जाएगा और वह भी चार–पांच दिन से कम नहीं चलेगा। उसके बाद दोनों तरफ से लिखित दलीलें पेश की जाएंगी और तब पांच जजों की संविधान पीठ विचार करके फैसला लिखेगी। यह भारतीय संविधान में अपनाए गए न्यायिक पुनराविलोकन यानी न्यायिक समीक्षा की व्यवस्था का खूबसूरत उदाहरण है। लेकिन सवाल है कि क्या यह काम पहले संसद में नहीं होना चाहिए था? संसद के दोनों सदनों से जब इसे मंजूरी दी गई तो किसी को ध्यान है कि उसमें कितना समय लगा था?अनुच्छेद 370 हटाने, जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने और राज्य का बंटवारा कर लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने का एक विधेयक लाया गया था और एक प्रस्ताव पेश किया गया था। पांच अगस्त 2019 को विधेयक और प्रस्ताव को राज्यसभा ने मंजूरी दी थी और छह अगस्त को लोकसभा ने मंजूरी दे दी। दोनों सदनों में एक एक दिन का समय भी नहीं लगा। सोचें, कानून बनाते समय संसद के दोनों सदनों ने एक एक दिन का भी समय नहीं लिया, जबकि सुप्रीम कोर्ट में इस पर सुनवाई में कम से कम 10 दिन का समय लगेगा और उसके बाद कई दिन लगा कर जज फैसला लिखेंगे।सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 पर चल रही सुनवाई के दौरान जम्मू कश्मीर के तब के हालात, राजा हरि सिंह द्वारा अपने राज्य का विलय भारत संघ में करने के प्रस्ताव और संविधान के प्रावधानों पर बारीकी से विचार हो रहा है। इस पर दलीलें दी जा रही हैं कि अनुच्छेद 370 स्थायी प्रावधान था या अस्थायी? इस सवाल पर माथापच्ची हो रही है कि इसे संविधान सभा ने मंजूरी दी थी और अब संविधान सभा नहीं है तो संसद इसे हटा सकती है या नहीं? यह पता लगाया जा रहा है कि महाराजा हरि सिंह ने संपूर्ण संप्रभुता का समर्पण किया था या नहीं? कायदे से इन सारे सवालों पर संसद में विचार किया जाना चाहिए। संसद में सभी पार्टियों के सांसद इस पर दलीलें रखते। सरकार अपने स्टैंड को जस्टिफाई करने के तर्क पेश करती। इससे देश के लोगों का ज्ञानवर्धन होता। लेकिन दुर्भाग्य से अब संसद में किसी भी कानून पर इतना विचार नहीं हो रहा है। वहां सिर्फ बिल पेश होता है और सरकार बहुमत के दम पर पास करा लेती है या हर सत्र के पहले विपक्ष को कोई झुनझुना पकड़ा देती है, जिसे सारी विपक्षी पार्टियां बजाती रहती हैं और सरकार विपक्ष की गैरहाजिरी में बिल पास करा लेती है।

चन्द्रयान-3: बना रहे साइंटिफिक टेम्परामेंट

ब्रह्मांड के सबसे खूबसूरत तथा अब तक ज्ञात एकमात्र मानवीय बस्ती वाले ग्रह अर्थात धरती से अपने सबसे नजदीक के खगोलीय पड़ोसी चन्द्रमा को लक्षित कर 14 जुलाई को दागे गये चन्द्रयान–3 ने आखिरकार बुधवार की शाम अपनी यात्रा के 42वें दिन शाम 5 बजकर 45 मिनट पर लैंडिंग की प्रक्रिया प्रारम्भ की। ठीक 6 बजकर 4 मिनट पर करोड़ों देशवासियों का सपना पूरा करते हुए उसके लैंडर ने चांद के सतह को छू लिया। उस वक्त वहां सुबह थी। वैसे तो चन्द्रयान–3 ने पृथ्वी के उपग्रह या चांद कहे जाने वाले इस उपग्रह की ओर बढ़ते हुए प्रारम्भिक चरण से ही सफलता के संदेश दे दिये थे क्योंकि उसके सारे उपकरण एवं सारी प्रणालियां बिलकुल ठीक काम कर रही थीं। पुराने अनुभवों से समृद्ध हुए और पिछली खामियों से सबक लेते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) की प्रतिभा व ज्ञान के प्रतीक चन्द्रयान–3 ने अपनी इस कामयाबी से आधुनिक भारत के निर्माताओं की दूरदर्शिता एवं वैज्ञानिक सोच का फिर से लोहा भी मनवाया है। करीब साढ़े चार अरब वर्ष पहले पृथ्वी से मंगल गृह के आकार के एक बड़े ग्रह के टकराने से, जिसे खगोल वैज्ञानिकों ने थिया नाम दिया है, पृथ्वी से बड़ी मात्रा में मैटर पिघलकर द्रव्य के रूप में अंतरिक्ष में फैल गया। आपस में जुड़ते और गुरुत्वाकर्षण के कारण करोड़ों वर्षों तक पृथ्वी की लगातार परिक्रमा करते हुए पृथ्वी के उस साथी उपग्रह का निर्माण हुआ जिसे आज हम चांद या चंद्रमा के नाम से जानते हैं और जो एक ओर तो विविध कला–विधाओं में रुचि रखने वालों के लिए कभी प्रेरणा तो कभी उपमा या कभी अलंकार के रूप में काम करता है। दूसरी तरफ वह खगोल वैज्ञानिकों व भौतिकशास्त्रियों के लिये जीवन व अनेक जटिल सिद्धातों को हल करने का जरिया भी है।

पृथ्वी से अन्य किसी भी खगोलीय पिंड के मुकाबले इसकी दूरी सबसे कम है– केवल 3,84,400 किलोमीटर। इसका व्यास पृथ्वी का एक चौथाई है और पृथ्वीवासियों के लिये आसमान में सूर्य के बाद यह सबसे चमकदार निकाय है– बावजूद इसके कि उसकी खुद की रोशनी नहीं है और वह सूर्य की रोशनी के परावर्तित होने से हमें दिखता है। उस पर दिखने वाले असंख्य दाग दरअसल उसकी सतह से लाखों उल्का पिंडों के टकराने से बने हैं जिसने बड़े गड्ढों का निर्माण तो किया ही है, उसे काफी हद तक गोलाकार बनने में मदद भी मिली है।

पृथ्वी का यह एकमात्र उपग्रह (चांद) बेहद ठंडा है और उसका गुरुत्वाकर्षण बहुत कम है। यहां वायुमंडल अनुपस्थित है और पृथ्वीवासियों को इसका बहुत कम हिस्सा दिखलाई

पड़ता है। चांद का दक्षिणी हिस्सा कभी भी सूर्य के सामने न आने से वहां और भी ज्यादा ठंड है। यहां तापमान –203 से –243 डिग्री सेल्सियस तक होता है। वैसे वैज्ञानिकों का मानना है कि वहां बड़ी मात्रा में ठोस रूप में पानी मौजूद है। अब तक जितने भी मून मिशन में गये हैं वे सारे उन हिस्सों पर उतरे हैं जो सूर्य के सामने होते हैं लेकिन चन्द्रयान–3 दक्षिणी हिस्से में उतरा है। यह भारतीय वैज्ञानिकों की विशेष उपलब्धि है। ऐसे अनेक कारणों से चन्द्रमा एवं चन्द्रयान–3 लोगों की उत्सुकता का कारण रहा है और हर व्यक्ति इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहता है। पश्थ्वी के साथ ही सम्पूर्ण ब्रह्मांड की रचना के कारकों और भविष्य को जानने का मानव के लिये सबसे नजदीक का जरिया चंद्रमा ही है। पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत की जानकारी से लेकर भविष्य में पृथ्वीवासियों के लिये वैकल्पिक मानव बस्तियों की सम्भावना टटोलने तक के लिये खगोलशास्त्री व वैज्ञानिक लम्बे समय से चांद को निहारते रहे हैं। इसके बारे में वैज्ञानिक समझ ज्ञान का पैमाना रहा है। इस मिशन का बड़ा महत्व इस लिहाज से भी है कि इस सफलता ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे गिनती के देशों की श्रेणी में बैठाया है। इसका श्रेय निसंदेह भारत के सार्वजनिक उपक्रमों के सिरमौर कहे जाने वाले इसरो के वैज्ञानिकों को जाता है। उनकी कड़ी मेहनत, ज्ञानार्जन की उत्कंठा, मेधा और चेतना ने सभी भारतीयों को आज यह महान उपलब्धि दिलाई है। इस मिशन के बारे में आगे भी खूब चर्चा होती रहेगी और सम्भव है कि इसका श्रेय लेने की छीना–झपटी भी हो, परन्तु यह ऐसा अवसर है जब हमें अपने राष्ट्रीय चरित्र से उस गुम होते फिनोमेना को पुनर्जाग्रत करने का संकल्प लेना होगा जिसका उल्लेख भारतीय संविधान में साइंटिफिक टेम्परामेंट के नाम से जाना जाता है और देश में इसे निर्मित करना सरकार का दायित्व माना गया है। आधुनिक भारत के निर्माता व प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने केवल यह शब्द (साइंटिफिक टेम्परामेंट) ही नहीं दिया बल्कि इस भावना के अनुकूल समाज बनाने में इसरो जैसी संस्थाएं दीं एवं डॉ. विक्रम साराभाई, सतीश धवन आदि से लेकर एपीजे अब्दुल कलाम जैसे राकेट वैज्ञानिकों को निखरने एवं उन्हें अपनी प्रतिभा के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का माहौल दिया। देश की इस वैज्ञानिक चेतना की विरासत को बनाये रखने में सारी सरकारों ने मदद की लेकिन पिछले कुछ समय से विज्ञान की जगह आस्था और अंधविश्वास ने ली है तथा जिसे मौजूदा सरकार राजनैतिक कारणों से पूरा बढ़ावा दे रही है।

यह दुर्भाग्यजनक और चिंताजनक दोनों ही है। इस मायने में चन्द्रयान–3 एक बेहद कठिन टास्क माना जा सकता है कि ऐसे वक्त में जब देश के छात्रों व युवाओं की रुचि विज्ञान में लगातार घट रही है, नाले की गैस से चाय बनाने व पकौड़े तलने, ताली–थाली बजाकर व मोमबत्तियां जलाकर कोरोना भगाने, बादलों में छिपकर रडार को चकमा देने और टर्बाईन से पानी व ऑक्सीजन को अलग करने वाले वैज्ञानिकों का बोलबाला हो, प्रयोगशालाएं सूनी हो रही हों और दुनिया के सारे रहस्यों को सुलझाने के सिद्धांत पुरानी किताबों में पाये जा रहे हों– यह उपलब्धि कई गुना बढ़कर महसूस की जानी चाहिये।

डबल इंजन की सरकार गरीबों की संवेदनाओं के साथ जुड़कर कार्य कर रही- योगी आदित्यनाथ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पी0एम0 स्वनिधि योजना पुरुषों के साथ ही, महिलाओं के भी स्वावलम्बन का आधार बन रही है। सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान यह योजना गरीब पटरी व्यवसाइयों के स्वावलम्बन का आधार बनी थी। आज हम सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव योजना को सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए एकत्रित हुए हैं। देश में इस योजना के लगभग 15 लाख लाभार्थी उत्तर प्रदेश से हैं। प्रधानमंत्री द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार लगभग ब्याज मुक्त ऋण की व्यवस्था वेण्डर्स को उपलब्ध कराई जा रही है। कोई वेंडर डिजिटल पेमेण्ट से जुड़कर तथा समय से सी0एम0आई0 का भुगतान कर लगभग ब्याज मुक्त हो जाता है। मुख्यमंत्री लोक भवन में पी0एम0 स्वनिधि एवं स्वयं सहायता समूह ऋण योजना के अन्तर्गत 11,000 लाभार्थियों को ऋण वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से लगभग 32 करोड़ 49 हजार रुपये का ऋण लाभार्थियों के खातों में अन्तरित किया। मुख्यमंत्री ने ऋण प्राप्त करने वाले कुछ लाभार्थियों तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक द्वारा विकसित किये गये एण्ड टू एण्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म 'पी0एन0बी0 ई–स्वनिधि' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में नए लाभार्थियों के साथ पुराने लाभार्थी भी शामिल हैं, जो 10 हजार रुपये का प्रथम ऋण चुकता कर 20 हजार रुपये का दूसरा ऋण प्राप्त कर रहे हैं। कुछ लाभार्थी 50 हजार रुपये का तीसरा ऋण भी प्राप्त कर रहे हैं। व्यावहारिक धरातल पर जिस व्यक्ति ने आमजन की पीड़ा को समझा है वही इस प्रकार की योजनाओं को बना सकता है। प्रधानमंत्री जी ने स्ट्रीट वेंडर्स की इसी पीड़ा को समझा है। आज पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से 11,000 लाभार्थियों को एक साथ पी0एम0 स्वनिधि योजना से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने ने पी0एम0 स्वनिधि योजना में रजिस्ट्रेशन कराने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को प्रदेश सरकार द्वारा 05 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा कवर प्रदान करने घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसी दुर्घटना में स्ट्रीट वेंडर की मृत्यु होने पर या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में यह बीमा योजना उसके परिजनों को 05 लाख रुपये उपलब्ध कराने का कार्य करेगी। यह एक बड़ी योजना है। ऐसे कार्य तभी होते हैं जब किसी सरकार की संवेदनाएं गरीबों के साथ होती हैं। डबल इंजन की सरकार गरीबों की संवेदनाओं के साथ जुड़कर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिलाओं के स्वावलम्बन की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बहुत कार्य किए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा टेक होम राशन के अंतर्गत गरीब बच्चों एवं महिलाओं को पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है। यह सामग्री पहले कई एन0जी0ओ0 उपलब्ध कराते थे। लेकिन अब यह कार्य महिला स्वयंसेवी समूहों को सौंप दिए गए हैं। आज इस कार्यक्रम में दो महिला स्वयंसेवी समूहों को धनराशि के चेक वितरित किये गये हैं। डेयरी क्षेत्र से जुड़े हुए एक महिला स्वयंसेवी समूह को 06 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया है। लखनऊ के महिला स्वयंसेवी समूह को भी 06 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया है। यह समूह अचार, पापड़ जैसी उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के सहयोग से वर्ष 2019 में झांसी में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर की स्थापना की थी। 06 महिलाओं के साथ प्रारंभ इस समूह से आज लगभग 40 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। समूह का वार्षिक टर्नओवर डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक और नेट प्रॉफिट लगभग 15 करोड़ रुपये है। यह महिलाएं सामान्य घरों से हैं। यदि इच्छा–शक्ति और ईमानदारी हो, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है, यह कार्य इन महिलाओं ने करके दिखाया है। डबल इंजन सरकार इन कार्यों के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य कर रही है। यह एक बड़ा अभियान है। इस अभियान से जुड़कर हम अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का संबल बन सकते हैं।

किसानों के हितों के प्रति प्रदेश सरकार कटिबद्ध- स्वतंत्र देव सिंह'

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है और उनकी समस्याओं के प्रति बहुत जागरूक भी है। राज्य के लघु एवं सीमान्त किसानों को समय से सुनिश्चित व निर्यात्रित सिंचाई उपलब्ध कराने की दिशा में निरन्तर काम कर रही है। किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराते हुए व उनकी कृषि उत्पादकता में वृद्धि करते हुए उनकी आय को दोगुना किए जाने की दिशा में प्रदेश सरकार अग्रसर है। यह बातें उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गुरुवार को ''लघु सिंचाई भवन'' के शिलान्यास समारोह में कहीं। वे यहां आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। शहीद पथ, मेदांता अस्पताल के सामने स्थित लघु सिंचाई विभाग मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री जल शक्ति दिनेश खटीक भी मौजूद रहे। नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव और सचिव बलकार सिंह समेत विभाग के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों की भी कार्यक्रम में उपस्थिति रही। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ''संकल्प पत्र–2022'' के अनुसार किसानों के हितों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ''मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना'' के तहत उथले, मध्यम गहरे, गहरे नलकूप निर्माण के साथ–साथ पहली बार शासकीय–अर्द्ध शासकीय भवनों पर रूफटॉप रेन वॉटरव हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना की जा रही है। विन्ध्य व बुन्देलखण्ड क्षेत्र के पठारी इलाकों में ब्लास्टवेल की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। राज्य मंत्री जल शक्ति श्री दिनेश खटीक ने कहा कि लघु एवं सीमान्त किसानों को समय से सिंचाई की सुविधा प्रदान करके ही हम अपने उद्देश्य में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता है और प्रदेश के अन्न भण्डारण में उल्लेखनीय वृद्धि उनकी मेहनत से ही सम्भव हो पायी है। नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने प्रदेश के सिंचित क्षेत्रफल में लघु सिंचाई विभाग के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभाग किसानों को सुनिश्चित व निर्यात्रित सिंचाई उपलब्ध कराने के साथ–साथ भूजल संचयन व भूजल संवर्द्धन की दिशा में भी निरन्तर कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त खबरे

रिकार्ड 232मिमी. से अधिक वर्षा की गई दर्ज, दीवार गिरने से एक परिवार ने दहशत में जागकर गुजारी रात

हरदोई। बीते तीन दिनों से शुरू हुआ बारिश का दौर रूक रूककर जारी है। 45घंटे में 232 मिलीमीटर से अधिक बरसात दर्ज की गई। अलग–अलग थाना क्षेत्र में दीवार गिरने से चार महिलाओं की मृत्यु हो गई जबकि चार लोग घायल हुए है। साथ ही देर रात एक दीवार दूसरे के मकान में गिरी है। जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन परिवार ने दहशत में पूरी रात जागकर गुजारी है। हरदोई जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को तीसरे दिन भी रूक रूककर बारिश हो रही है। बारिश के चलते जिला अधिकारी ने कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों को बंद करने के आदेश दिए हैं। तहसील सवायजपुर के ग्राम अमिरता में दीवार गिरने से 55 वर्षीय ऊषा तथा 13 वर्षीय दामिनी की मृत्यु हो गई जबकि पुष्पा को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। दूसरी घटना में थाना सांडी क्षेत्र अंतर्गत मालवा अख्बेलपुर में दीवार गिरने से शैलजा की मृत्यु हो गई। जबकि उसके पिता व भाई सहित एक अन्य लोग घायल हो गए। थाना पाली क्षेत्र अंतर्गत बाबरपुर निवासिनी माया देवी की भी दीवार गिरने से मौत हो गई। तीसरी घटना सांडी कस्बे के पीरजादा मोहल्ले की है, जहां देर रात पड़ोसी के घर में दीवार गिरी है। अगर दिन में दीवार गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था, फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है। पीड़ित परिवार ने पूरी रात बैठकर गुजारी है,जिसका पूरा मकान गिरने वाला है। 5वर्ष पहले प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन पात्र होने के बावजूद भी शमा परवी अबरारूल को आवास नहीं मिला है। जिसका पूरा परिवार दहशत में जिंदगी गुजारने को मजबूर है। बताते चलें कि मंगलवार को देर रात जिले में बरसात शुरू हुई थी। तब से लगातार बरसात का दौर जारी है पिछले 45 घंटे में 232 मिली मीटर से अधिक की वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। जिलेवासियों को बरसात से अभी भी किसी प्रकार की राहत न मिलने की संभावना है।

ट्रक से गिरकर मासूम गिरकर की मौत

बछरावां,रायबरेली । थाना अंतर्गत ग्राम हसनगंज में एक 7 वर्षीय मासूम की सिर पर डाला गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों तथा परिजनों के द्वारा तत्काल उसे बछरावां अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटनाक्रम के अनुसार आभाष कुमार पुत्र मूलचंद उम्र 7 वर्ष गांव के किनारे खड़े हुए एक ट्रक के अंदर खेल रहा था, अचानक लोगों ने ट्रक का डाला खुलने की तेज आवाज तथा बच्चे की चीख सुनी वह लोग जब दौड़ कर घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि आभास कुमार गंभीर अवस्था में घायल बेहोश पड़ा हुआ है। तत्काल उसे बछरावां अस्पताल लाया गया परंतु अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उसकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों के अनुसार आभास कुमार जिस समय ट्रक से उतर रहा था अचानक ट्रक के पीछे का डाला खुलकर आ गिरा जिसके चलते वह मासूम घायल हो गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव शुक्ला ने बताया की बच्चे के सिर पर गंभीर चोट आई है, वही चोट मौत का कारण बन गई है।

स्कूटी सवार के ऊपर गिरा पेड़ घायल

लालगंज,रायबरेली । स्कूटी सवार एक युवक के ऊपर अचानक पेड़ गिर जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। लालगंज सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसका इलाज करने के बाद उसे रेफर कर दिया है। बताते हैं कि कानपुर निवासी आर्यन सिंह लालगंज अपने रिश्तेदार रेलवे स्टेशन रोड निवासी लाला डेरे के यहां आए हुए थेऔर वह स्कूटी से बृजेंद्र नगर की तरफ जा रहे थे तभी पशु चिकित्सालय के सामने अचानक सड़क किनारे खड़ा पेड़ उनके ऊपर आ गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं पेड़ गिरने से बिजली के तार भी टूट गए हैं और साकेत नगर मोहल्ले की बिजली सप्लाई भी ठप्प हो गई है।

ससुराल से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

रुदौली–अयोध्या। रुदौली कोतवाली के भेलसर पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अल्हवाना स्थित केटीएम ढाबे के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर बुधवार की रात सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर घटनास्थल पर पहुँचे युवक के भाई द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय सुरेश पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम हलीम नगर कोतवाली रूदौली जनपद अयोध्या बाइक से अपनी ससुराल ग्राम बड़सेड़ी थाना रौनाही जनपद अयोध्या से वापस अपने घर हलीम नगर आ रहा था तभी साढ़े आठ बजे के आसपास अल्हवाना स्थित केटीएम ढाबे के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी हादसे की सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुँचे उसके छोटे भाई सोनू ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एंबुलेंस के ईएमटी हुकुम सिंह की मदद से उसकी उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन का कहना है कि एनएचआई एम्बुलेंस से घायल सुरेश को रात 10.40 बजे जिला अस्पताल लाया गया जहां इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया शव को मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए नगर कोतवाली पुलिस को मेमो भेजवाया गया है।

शिक्षक पर गाली गलौज व मारपीट का आरोप

हरगांव (सीतापुर)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भटपुरवा के अंतर्गत जूनियर हाई स्कूल पकरिया में चंद्र प्रकाश पुत्र अज्ञात प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत है। विद्यालय में लगभग एक हफ्ते पूर्व ग्राम मुसहैया मजरा भटपुरवा निवासी बृजेश की 13 वर्ष की पुत्री जानू कक्षा आठ की छात्रा है, जिससे किसी बच्चे से मामूली विवाद हुआ था।

सीसी कैमरों से लैस हुए प्रदेश के 107 जिला अस्पताल

स्वास्थ्य भवन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने होप कमांड सेंटर का किया शुभारंभ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के 107 जिला अस्पताल सीसी कैमरों से लैस हो गए हैं। इन कैमरों के जरिए 24 घंटे अस्पतालों पर नजर रहेगी। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य भवन में स्थापित होप (हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन) कमांड सेंटर का शुभारंभ किया। पीरामल फाउंडेशन एवं यूपीटीएसयू के त्रिपक्षीय समझौते के तहत बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से भवन के चतुर्थ तल पर यह सेंटर स्थापित किया गया है। कमांड सेंटर का प्रमुख कार्य मॉनिटरिंग एवं प्रदेश से प्रतिदिन आने वाली संक्रामक रोगों से संबंधित कॉलों का निराकरण करना है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि होप केंद्र इन चिकित्सालयों में मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में मदद करेगा। फिलहाल जिला अस्पतालों में यह नेटवर्क स्थापित किया गया है। बहुत जल्द सीएचसी–पीएचसी को भी इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। होप में सभी हेल्थ पोर्टल्स एवं मोबाइल एप्स के लिए समसामयिक (रीयल टाइम) डैशबोर्ड है। जैसे ई–सुश्रुत, ई–कवच, ई–औषधि, ई–संजीवनी आदि। राष्ट्रीय डिजीटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) को भी इस नेटवर्क में शामिल किया गया है। डिप्टी सीएम ने बताया कि होप के संचालन से चिकित्सालयों में प्रतिदिन आने वाली समस्याओं का रीयल टाइम मैनेजमेंट द्वारा निराकरण किया जाएगा। होप केंद्र का मुख्य कार्य निगरानी, डेटा का विश्लेषण एवं दूरस्थ केंद्रों को उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रदान करना है। होप नेटवर्क में शामिल एकीकृत डैशबोर्ड स्वास्थ्य संबंधी डेटा को एकत्रित करने का कार्य करेगा।

नशेड़ी पति ने धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या

हरगांव (सीतापुर)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरौली खांसी निवासी एक पति ने अपनी पत्नी को मौत की नींद सुला दिया। बताते हैं कि रात के पहर दोनों में कहा सुनी हुई थी। शैलेंद्र पुत्र मूलचंद निवासी धन नाग नेवादा कोतवाली देहात सीतापुर ने थानाध्यक्ष हरगांव को तहरीर देते हुए बहनोई द्वारा बहन की हत्या का आरोप लगाया है। शैलेन्द्र की बहन जगतारा उम्र 45 बरस का अपने पति डालचंद से विवाद हुआ। जिससे उग्र होकर डालचंद ने जगतारा को बॉके से काट डाला। जगतारा की मौके पर ही मौत हो गई। डालचंद गांजे का आदी बताया जाता है। अभी कुछ दिन पूर्व ही जगतारा अपने सत्रह वर्षीय पुत्र के साथ गैर प्रान्त से मजदूरी करके अपने घर आयी थी। सूचना पाकर थाना अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। उच्च अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया। जिसके बाद एडिशनल एस पी प्रकाश कुमार,सीओ सदर राजू कुमार साव, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंची।

माता-पिता की हत्या में पुत्री व उसका पति साक्ष्य के अभाव में बरी

अयोध्या । वर्ष 2021 में पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के चांदपुर हरबंशपुर गांव में संपत्ति की लालच में अपने पति के साथ मिलकर माता–पिता की ईंट से कूंच कर तथा फुकनी से मार कर नृशंस हत्या करने के बहुत चर्चित मामले में दोनों आरोपियों कमलेश्वर राम सिंगर पर अपराध साबित न होने पर साक्ष्य के अभाव में बा इज्जत बरी हो गए। यह फैसला विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट द्वितीय नूरी अंसार ने अभियोजन व बचाव पक्ष के तर्कों को सुनने तथा गवाहों के बयान के आधार पर आरोपियों पर दोष सिद्ध न होने पर दिया है। साथ ही मिथ्या साक्ष्य दिए जाने के कारण सभी गवाहो के विरुद्ध प्रकीर्ण वाद दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा प्रकरण में संबंधित विवेचक द्वारा गंभीर लापरवाही पूर्वक विवेचन किया जाना पाया गया है। भविष्य में इसकी पुनरावृत्त ना हो इसके लिए एसएसपी अयोध्या को निर्णय की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। यह मामला जनपद के पूरा कलंदर थाना के चांदपुर हरबंश गांव का है। बचाव पक्ष से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता मयंक रंजन ने पर किया। बहस के दौरान तरक दिया कि आरोपियों को झूठा फंसाया गया। घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं था। फिंगरप्रिंट में पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिला है। मृतक हृदय राम ने अपनी बेटी कमलेश के पक्ष में वसीयत कर दिया था। इसलिए वह अपने माता–पिता की हत्या क्यों करेगी। यह साबित नहीं हो सका है। गवाहो के बयानों जिरह में भिन्नता एवं विरोधाभास है। आभियोजन पक्ष के अनुसार 28 में 2021 को चांदपुर हरबंशपुर गांव में हृदय राम और उनकी पत्नी मालती की हत्या कर दी गई थी। मृतक की पुत्री कमलेश ने 30 छ्व 2021 को थाना पूरा कलंदर में तहरीर देकर अज्ञात हत्यारो के खिलाफ मुकदमा लिखवाया था। पुलिस ने अज्ञात हत्यारे के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 221 / 21 अंतर का धारा 302 201 के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद वादी मुकदमा जो मृतक हृदय राम की पुत्री है और उसके पति राम सिंगार के खिलाफ आरोप पत्र संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सिधौली (सीतापुर)। मोहल्ला गांधी नगर उत्तरी में एक 24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग सका। पुलिस ने कार्यवाही शुरू की। गुरुवार की सुबह सुमित 24 वर्षीय पुत्र गंगाराम का शव उसके कमरे में फांसी के फंदे पर से लटकता हुआ घर वालों ने देखा तो घर में कोहराम मच गया। सूचना सिधौली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पहुंच कर भीतर से बंद दरवाजे को खोला और शव को फंदे से उतार कर कार्यवाही शुरू की। बताते हैं मृतक सुमित पत्नी व मासूम बच्चे के साथ मायके गयी थी। बाहर में मृतक के माता पिता व बड़ा भाई व अन्य लोग थे। सुबह बड़ा भाई भी अपने काम पर चला गया। उसके बाद घर वालों ने सुमित के कमरे में शव को लटकता हुआ देखा। पुलिस व मृतक की पत्नी को सूचना दी।

कानपुर में उफान पर गंगा,करीब 11 गांवों में पानी घुसा,जनजीवन प्रभावित

कानपुर। कानपुर में गंगा खतरे के निशान से 3 मीटर ऊपर है। इससे करीब 11 गांवों में पानी घुस गया है। इससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। बुधवार को 15 परिवारों को गांवों से बाढ़ राहत शिविर में शिफ्ट किया गया। वहीं बिठूर से लेकर कानपुर नगर तक सभी गंगा घाट पूरी तरह डूब गए हैं। करीब 15 फीट तक जलस्तर चढ़ा हुआ है। हरिद्वार और नरोरा डैम से लगातार पानी छोड़े जाने से गंगा खतरे के बिंदु को पार कर चुकी है। पानी कटरी से जुड़े गांवों में घुस गया है। गंगा नदी पिछले एक सप्ताह से उफान पर हैं। बैराज पर हर दिन हरिद्वार और नरोरा से करीब तीन लाख क्यूसेक पानी पहुंच रहा है। गंगा खतरे के निशान से 3 मीटर ऊपर बह रही हैं। तेज बहाव से कटान शुरू हो गया है। अभी तक चार गांव ही प्रभावित थे, लेकिन अब गंगा का जलस्तर और बढ़ने से पानी सात गांवों में घुस गया है। सबसे ज्यादा हालात चौनपुरवा,भोपाल का पुरवा और भगवानदीन पुरवा के हैं।

वहां पर जिनके कच्चे मकान हैं, उन परिवार को वहां से हटाकर कांशीराम स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट कराया जा रहा है। गुरुवार को भी बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों को राहत शिविर में शिफ्ट कराया गया। इन गांवों में घुसा पानी गंगा के अपस्ट्रीम में भोपाल का पुरवा, बनियापुरवा,भगवानदीन पुरवा,धल्लापुरवा, लक्ष्मणपुरवा और गिन्नीपुरवा, भरतपुरवा में पानी घुस चुका है। वहीं, डाउनस्ट्रीम में पानी चौनपुरवा,रमखेड़ा, दिग्गिनापुरवा और पहाड़ीपुर में पानी पहुंच चुका है। यहां पर पानी खेतों के साथ मकानों में घुस गया है। इस वजह से वहां पर ग्रामीणों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

जन्माष्टमी व गणेश पूजा महोत्सव को लेकर समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम और एसएसपी

अयोध्या । आगामी श्री कृष्ण जन्माष्टमी और गणेश पूजा के संबंध में एक संयुक्त बैठक जिला प्रशासन और केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के पदाधिकारियों तथा सभी श्री कृष्ण जन्माष्टमी और गणेश पूजा आयोजन समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर की उपस्थिति में निर्वाचन सभागार कचहरी में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने जिला प्रशासन को महोत्सव से संबंधित सभी प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया जिसमें मुख्य रूप से फतेहगंज लालबाग क्रॉसिंग स्थित निर्माणाधीन ओवर ब्रिज और रिकाबगंज चौराहे से लेकर नियावां होते हुए अमानीगंज तक निर्माणाधीन रामपथ का मुद्दा मुख्य रूप से उठाया गया। ज्ञात हो की इन्हीं मार्गों से श्री कृष्ण जन्माष्टमी और गणेश पूजा की विसर्जन शोभायात्रा परंपरागत रूप से निकलती है, लेकिन अभी जो स्थिति है उसमें शोभा यात्रा का निकल पाना संभव ही नहीं है। इसी के साथ ही श्री जायसवाल ने पूरे नगर में जगह–जगह पड़ रही सीवर लाइन की वजह से क्षतिग्रस्त मार्गों की समस्या को भी जिला प्रशासन के समक्ष रखा और मांग की की त्यौहार के पूर्व ही इन सभी मार्गो को अवश्य ठीक कर दिया जाए। इसके साथ ही दुर्गा पूजा एवं रामलीला का त्योहार संपन्न होने तक किसी नई जगह पर खुदाई नहीं की जाए। बारिश के कारण हो रही जल भराव की समस्या की तरफ भी जिला प्रशासन का विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही विसर्जन स्थल गुप्तार घाट पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, गोताखोर, जल पुलिस, प्रकाश व्यवस्था,पैरामेडिकल स्टाफ आदि पूर्व की भांति बहाल रखे जाने का अनुरोध किया। बेसहारा पशुओं की समस्या को भी दूर किए जाने की आवश्यकता है जिससे मेले के दौरान भारी भीड़ में कोई दुर्घटना होने की आशंका न रहे। केंद्रीय समिति के प्रमुख संरक्षक विजय गुप्ता ने संपूर्ण नगर को प्रकाशित करने के समय विद्युत कटौती से मुक्त रखने की मांग की तथा पूरे नगर को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की भी मांग की। उन्होंने विसर्जन शोभायात्रा के दौरान शराब एवं मीट की दुकानों को बंद किए जाने का भी जिला प्रशासन से अनुरोध किया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी महोदय के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल तथा एस पी सिटी मधुवन सिंह ने सभी समस्याओं के समय पूर्ण निराकरण का तथा पूर्ण सुरक्षा के साथ भव्यता के साथ संपन्न कराने का आश्वासन दिया।

मा-बेटी के ऊपर गिरा नीम का पेड़, हालत गंभीर

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अकमा गांव में अचानक नीम के पेड़ की विशालकाय डाल गिर गई। जिसके नीचे दबकर 21 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आनन आनन में महिला को इलाज के लिए संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अकमा गांव निवासिनी रामवती पत्नी जमुना प्रसाद यादव पड़ोसी राकेश यादव के दरवाजे पर अपनी बेटी दिव्या के साथ अपनी जेठानी गुरुदेई से बातचीत कर रही थी। इस बीच अचानक सैकड़ो वर्ष पुराने नीम के पेड़ की मोटी सी डाल आवाज करते हुए गिरने लगी। आवाज सुनकर दिव्या व उनकी मां रामवती ने भागने का प्रयास किया।

लेकिन तब तक मां बेटी डाल के नीचे दब गई। घटना देख अन्य महिलाओं ने गुहार लगाया। गुहार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरीके से मां व बेटी को बाहर निकाल कर आनन– फानन में उपचार करने के लिए सौ शैय्या अस्पताल कुमारगंज पहुंचाया। जहां इमरजेंसी में मौजूद डॉ अनमोल पाठक ने प्राथमिक उपचार करना शुरू किया कि घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के डॉ अरविंद मौर्य, डॉ आमिर अतीक भी पहुंच गए। लेकिन दिव्या की हालत लगातार गंभीर होता देख डॉक्टरों ने जिला चिकित्सालय अयोध्या रेफर कर दिया।

वही रामवती का उपचार अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि रामवती को मामूली सी छोटे आई है। बुजुर्ग ग्रामीण शिवकरन शिव नायक हृदय राम सहित अन्य लोगों ने बताया कि यह नीम का पेड़ लगभग 300 वर्ष पुराना है, गांव का डीह है। हर वर्ष पूजा पाठ यहां होता है। यहां तक कि शादी विवाह में भी लोग आकर यहां माथा टेकते हैं। जिसके चलते इस पुराने नीम की डालों को भी कोई नहीं काटता। जो डाल मोटी सी गिरी है, वह अंदर से सड़ चुकी थी। गनीमत यह रही कि जिस वक्त डाल गिरी उस वक्त विद्युत सप्लाई नहीं चल रही थी, नहीं तो और बड़ा हादसा होता। विद्युत पोल भी इसकी चपेट में आने से टूट गया है।

धर्म के नाम पर जनता हो गुमराह रही भाजपा - अखिलेश यादव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर जनता को गुमराह करती है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में कोई भी बड़ा काम नहीं किया है। जिसको लेकर जनता से वोट मांग सके। वह बुनियादी मुद्दों से भागती है। आज महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, बड़े मुद्दे हैं। अखिलेश यादव ने आज दिल्ली में एक न्यूज चौनल से साक्षात्कार में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट है। समय आने पर सीटों के बंटवारे पर गठबंधन आपस में बैठकर फैसला कर लेगा। लोकसभा चुनाव में मुकाबला एक बहुत बुरी पार्टी से है। गठबंधन जनता के मुद्दों और विकास के लक्ष्य के साथ एकजुटता से भाजपा का मुकाबला करेगा और उसे हराएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता से सिर्फ झूठे वादे किये है। इस सरकार ने आम जनता को सिर्फ समस्यायें और दुश्वारियां ही दी है। उत्तर प्रदेश में बिजली का एक भी कारखाना नहीं लगाया। प्रदेश में बिजली संकट है। आज प्रदेश को जो बिजली मिल रही है वह समाजवादी सरकार के दौरान बनाये गये पावर प्लांटों से मिल रही है। भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई, बेरोजगारी कम नहीं हुई। महंगाई का विरोध करने पर यह सरकार दुकानदारों को जेल भेज देती है। प्रधानमंत्री जी के लोकसभा क्षेत्र में टमाटर की महंगाई पर आवाज उठाने वाले दुकानदार और उसके बेटे को इस सरकार ने जेल भेज दिया था। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र विरोधी है। जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म कर रही है। इस सरकार ने किसानों के लिए एक भी मंडी नहीं बनाई। इंवेस्टमेंट के नाम पर केवल इवेन्ट हुआ है। सरकार कह रही है कि 33 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है। बड़े–बड़े सपने दिखा रही है लेकिन कोई भी निवेश जमीन पर नहीं उतरा है। गांव–गांव में बड़ी संख्या में पढ़े–लिखे नौजवान बेरोजगार हैं। आखिरकार भाजपा जनता को कब तक गुमराह करेगी। कहा कि पहले की सरकारों ने लाल किला से प्रधानमंत्री कोई बात कहते थे या घोषणा करते थे तो जनता को भरोसा रहता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। उत्तर प्रदेश में छुट्टा जानवरों की समस्या भाजपा सरकार की देन है। आज हर दिन प्रदेश में जानवरों के कारण किसी न किसी की मौत हो रही है। सड़क हो, या किसानों के खेत हर जगह इनकी मौजूदगी है। प्रधानमंत्री जी ने भी इस समस्या के समाधान का वादा किया था लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। आज छुट्टा जानवर पूरे प्रदेश में बड़ी समस्या बन गए है। अखिलेश यादव ने कहा कि लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या हुई लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। किसानों को आज नहीं तो कल न्याय जरूर मिलेगा। और एक दिन भाजपा को किसानों के सामने झुकना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में ही प्रदेश में विकास के कार्य हुए थे।

जिलाधिकारी ने चिल्ड्रेन हास्पिटल का किया निरीक्षण

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ओपीडी रूम, इमरजेंसी वार्ड, पीडियाट्रिक ओपीडी, पीआईसीयू, पोषण पुर्नवास केन्द्र, न्यू बार्न यूनिट, केएमसी रूम सहित प्राइवेट वार्ड आदि का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड में अतिरिक्त एसी लगवाने एवं केएमसी वार्ड का सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण करवाने के लिए प्राचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह से कहा है। उन्होंने अस्पताल में कार्टून्स, चित्रकारी एवं पेंटिंग बनवाने के लिए भी कहा है, जिससे कि उपचार हेतु आने वाले बच्चों के अंदर सकारात्मकता बनी रहे। उन्होंने सर्वप्रथम ओपीडी का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों से प्रतिदिन कितनी ओपीडी रहती है, किस प्रकार की बीमारी से ग्रसित बच्चे इलाज के लिए आ रहे है, मलेरिया, वायरल फीवर व गम्भीर बीमारियों से ग्रसित कितने बच्चे है, प्रतिदिन मलेरिया के कितने टेस्ट कराये जा रहे है, डायरिया के कितने केस आ रहे है, की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन के बाद डायरिया की स्थिति के बारे में पूछा, जिसपर उपस्थित चिकित्सकों के द्वारा बताया गया कि इस मिशन के पश्चात डायरिया के केसो में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आयी है। ओपीडी रूम के बाहर समीना ने बीमार बच्चे की एमआरआई करवाने के लिए कहा, जिसपर जिलाधिकारी ने डॉक्टर मुकेश वीर सिंह को कल तक बच्चे की एमआरआई करवाकर सूचना देने के लिए कहा है।

एअर फोर्स डे–2023 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में एअर फोर्स डे–2023 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। एअर फोर्स डे–2023 का आयोजन 08 अक्टूबर, 2023 को प्रस्तावित है, जिसमें परेड एअरफोर्स, बमरौली के कमाण्ड सेंटर में तथा संगम तट पर एअर शो का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। एअर फोर्स डे को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए जिलाधिकारी ने एअर फोर्स, सेना एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारीगणों से एयर फोर्स डे एवं पूर्व के दिवसों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को एयर फोर्स डे अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भव्य, दिव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किए जाने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने वहां पर वीवीआईपी के बैठने की व्यवस्था, पीएस सिस्टम, कमेन्ट्री बाक्स, पार्किंग की व्यवस्था, संगम क्षेत्र में साफ–सफाई की व्यवस्था, शौचालय, पीने के पानी, जल पुलिस, मेडिकल की व्यवस्था, बोट एम्बुलेंस, रेफरल अस्पताल, कार्यक्रम के अवसर पर विद्युत आपूर्ति हेतु जनरेटर की व्यवस्था, एयरपोर्ट से संगम क्षेत्र तक सड़को की मरम्मत, डिवाइडर, फेंसिंग व विद्युत पोलों की पेंटिंग कराने तथा चौराहों पर लाइटिंग की अच्छी व्यवस्था, रेफलेक्टर लगाये जाने, कार्यक्रम स्थल पर मीडिया व कार्यक्रम में आने वाले लोगों के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था हेतु की जाने वाली तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल के पास स्वास्थ्य विभाग की टीम, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की व्यवस्था तथा ग्रीन कारिडोर बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होने संगम क्षेत्र एवं आस–पास में लगे हुए टावरों, पुलों, हाईराइज बिल्डिंग पर वार्निंग लाइट लगाये जाने हेतु कहा है।

हाईकोर्ट में 50 बेड का आधुनिक अस्पताल जल्द बनने की उम्मीद

सीएम से वार्ता के बाद मेयर ने कहा अविलंब होगा निर्माण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। हाईकोर्ट में आधुनिक अस्पताल के निर्माण की मांग को लेकर वकीलों द्वारा 9 दिन से किए जा रहे क्रमिक अनशन को आज सरकार के प्रतिनिधि से आश्वासन मिलने के बाद स्थगित कर दिया गया है।

आधुनिक अस्पताल संघर्ष समिति हाई कोर्ट के संयोजक बैरिस्टर सिंह ने बयान जारी कर बताया कि कई वर्षों से आधुनिक अस्पताल के निर्माण की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उनकी अगुवाई में वकीलों ने 16 अगस्त से क्रमिक अनशन शुरू किया था। गुरुवार को अधिवक्ता अजीत प्रताप सिंह कुशवाहा द्वारा अनशनकारियों को माल्यार्पण कर क्रमिक अनशन शुरू किया गया। जिसमें बृजेश सिंह निषाद के नेतृत्व में सुनील कुमार, ओम प्रकाश वर्मा, महेश प्रसाद, संजय कुमार कुशवाहा, पवन कुमार यादव, ज्योति भूषण, दीपक शुक्ला, विवेक सिंह, सुभाष चंद्र यादव, विपिन कुमार ,देवेंद्र प्रताप सिंह, अरविंद कुमार मौर्य, हरपाल सिंह, राय साहब यादव, अजय यादव, प्रमोद कुमार मौर्या तथा महिला अधिवक्ता बैठी। संयोजक बैरिस्टर सिंह व पवन यादव ने यह भी बताया कि 24 जुलाई को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया था। जिसमें 50 बेड का आधुनिक अस्पताल हाई कोर्ट में बनाने की मांग की गई थी। उक्त प्रकरण पर संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय में 10 अगस्त को अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव स्वस्थ परिवार कल्याण को नियमानुसार कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया था। प्रयागराज के मेयर गणेश शंकर केसरवानी ने सी एम से वार्ता करने के बाद सभा को बताया कि अस्पताल के निर्माण के लिए सरकार उचित कदम उठा चुकी है और हाईकोर्ट के नजदीक ही स्थान का चयन कर अस्पताल का निर्माण अभिलंब कराया जाएगा।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कौशांबी राजेश कुशवाहा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्य मंत्री तथा उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से वार्ता हो चुकी है। शीघ्र ही अस्पताल का निर्माण कराया जाएगा। फिर मेयर ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर अंशन को समाप्त कराया। आश्वासन मिलने के बाद अनशनकरियों ने अनशन को स्थगित कर दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अनपुस्थित रहने पर क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा का वेतन रोकने एवं बैठक में अनुपस्थित रहने पर पीओ नेडा, सहायक निदेशक मत्स्य से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है साथ ही साथ उन्होंने हिदायत दी है कि उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित विभाग के अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग, विद्युत विभाग, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के अन्तर्गत प्राप्त इंवेस्ट इंटेंट तथा निवेश मित्र पोर्टल से सम्बंधित विषयों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में युनाइटेड मेडीसिटी हॉस्पिटल रावतपुर झलवा, प्रयागराज को बिजली की सप्लाई निरंतर करने के विषय के सम्बंध में अधिशाषी अभियंता विद्युत के द्वारा बताया गया कि यह विषय प्रबंध निदेशक महोदय के स्तर का है। जिलाधिकारी ने इस सम्बंध में अधिशाषी अभियंता विद्युत को की गयी कार्रवाई से सम्बंधित प्रगति की रिपोर्ट तीन दिन के अंदर प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन का कार्य जीव की सेवा: अपर महाधिवक्ता

प्रयागराज। दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार ने सेवा साधना के 27 वर्ष पूरे होने पर प्रयागराज इकाई द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजित करने जा रहा है। शिव ज्ञान से जीव सेवा भाव के विकास में दिव्य प्रेम सेवा मिशन की भूमिका नामक गोष्टी 25 अगस्त मोतीलाल नेहरू कैंपस के प्रीतम दास प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। जिसमें हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मुख्य अतिथि होंगे। गोष्ठी की अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी करेंगे। ये सभी जानकारी सिविल लाइंस स्थित होटल में प्रेस वार्ता के दौरान दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने दी। डॉ आशीष गौतम ने बताया कि दिव्या प्रेम सेवा मिशन का उद्देश्य कुष्ठ रोगियों और उनके बच्चों के भविष्य के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास करना है ।

जनपद न्यायालय व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 सितंबर को

प्रयागराज। राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना वाद, राजस्व संबंधी, बैंक के ऋण संबंधी वाद, विद्युत संबंधी वाद, फौजदारी वाद, आपसी सुलह समझौते के आधार पर होने वाले समस्त वादों का किया जाएगा निस्तारण उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज के तत्वाधान में दिनांक 09.09.2023 को प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय प्रयागराज व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना वाद, राजस्व संबंधी, बैंक के ऋण संबंधी वाद, विद्युत संबंधी वाद, फौजदारी वाद, आपसी सुलह समझौते के आधार पर होने वाले समस्त वादों का निस्तारण किया जाएगा। माननीय श्री संतोष राय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों का निस्तारण कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। समस्त वादकारियो से अनुरोध है कि वे अपने मुकदमों की तस्दीक अपने अधिवक्ता के द्वारा उचित माध्यम से लोक अदालत के आयोजन से पूर्व संपन्न कर लें जिससे उनके मुकदमों का निस्तारण किया जा सके। यह जानकारी श्री आलोक दूबे अपर जनपद न्यायाधीश, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई ।

पीजेपी के प्रवक्ता को गुंडा टैक्स के लिए अतीक के गुर्गों की धमकी

प्रयागराज। बिल्डर, व्यापारियों के बाद अब अतीक के गुर्गों द्वारा समाजसेवियों से भी गुंडा टैक्स की मांग की जा रही है। पीपुल्स जस्टिस पार्टी के प्रवक्ता सुहेबुर रहमान से विगत महीने अतीक के गुर्गों द्वारा गुंडा टैक्स की मांग की गई। नहीं देने पर कई बार घेरा बंदी व परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दी गयी। अपने व परिवार के जान के खतरे को देखते हुए प्रवक्ता द्वारा अपनी बेटी से आईएस गैंग 227 के सक्रिय सदस्य सपा के पूर्व विधायक के पुत्र को गुंडा टैक्स की सुरक्षा के तौर पर 4 ब्लैंक चेक भेजवाना पड़ा। जिसका दुरुपयोग कर फंसाये जाने का भी भय है: इन के अलावा भी इस तरह के मामलों में लिप्त है। गौरतलब हो कि कई वर्षों पूर्व अशफाक अहमद उर्फ कुन्नू निवासी बहादुर गंज जिनकी चकिया में हत्या कर दी गयी थी। इसके अलावा कोर्ट से लौटते समय धोबी घाट के पास अधिवक्ता जैनुल आब्दीन की हत्या कर दी गयी थी जिसका रहस्य आज तक जाहिर नहीं हुआ।

चंद्रयान-3 की सफलता के लिए बाघंबरी मठ में उत्सव

प्रयागराज। चंद्रयान–3 सफलता पर पूरा देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है। चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंड करने पर संगम नगरी प्रयागराज में बाघंबरी मठ में भी उत्सव जैसा माहौल रहा। मंठ में एक साथ बैठकर चंद्रयान–3 को लाइव टीवी पर देखा गया। संतो, बटुकों और महंत बलबीर गिरी जी महाराज चंद्रयान की सफलता के साक्षी बने। बाघंबरी मठ के महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने कहा कि चंद्रयान 3 चांद पर सफल होने से हमारा देश और ऊंचाइयों को छुऐगा और विश्वगुरु बनेगा। भारत का मून मिशन यानी चंद्रयान–3 का लैंडर 23 अगस्त की शाम को अपने तय समय पर यानी शाम 6:04 बजे ही चंद्रमा पर लैंड किया। इससे पहले सुबह चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग के लिए बाघंबरी मठ में भोर ब्रह्म मुहूर्त में रुद्राभिषेक और हवन किया गया। इस मिशन के लिए संतों और बटुकों ने प्रार्थनाएं की। चंद्रयान–3 की सफलता के लिए विशेष पूजा की।

मठ के महंत बलबीर गिरी जी महाराज ने कहा कि चंद्रयान–3 की सफलता से पूरी दुनिया ने भारत की ताकत देख ली है। चंद्रमा को हमारे भोलेनाथ अपने शीश पर धारण करते हैं। उन्होंने सफलता पर बधाई दी।

सड़क दुर्घटना में मृत जवानों के परिजनों को मिला 30–30 लाख का चेक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, मा0 विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति एवं जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में गुरूवार को संगम सभागार में जनपद प्रयागराज के होमगार्डस स्व0 समय लाल एवं स्व0 शिव प्रसाद मौर्य के आश्रितों को एच0डी0एफ0सी0 बैंक द्वारा 30–30 लाख रूपये का डेमो चेक होम गार्डस विभाग एवं एच0डी0एफ0सी0 बैंक के मध्य हुए एम0ओ0यू0 के अंतर्गत प्रदान किया गया। इस अवसर पर मा0 सांसद महोदया ने कहा कि होमगार्ड हर क्षेत्र में अपनी निरंतर सेवा एवं सरकार की व्यस्थाओं में सराहनीय योगदान दे रहे है। सरकार इनके लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान करने की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखद अवश्य है, परंतु मृतक के परिवार के लिए सरकार के द्वारा की गयी इस व्यवस्था से इनका जीवन यापन सुगम होगा। मा0 विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से इनके परिवार के भरण–पोषण हेतु यह सहायता राशि दी जा रही है, जो इनके परिवार के जीवन यापन में सहायक होगी। इस अवसर पर डीआईजी होमगार्डस श्री संतोष कुमार, डिवीजनल कमाण्डेण्ट होमगार्डस डी0टी0सी0 श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कमाण्डेन्ट होमगार्डस श्री अमित कुमार पाण्डेय, जोनल हेड एच0डी0एफ0सी0 बैंक श्री मनीष टण्डन, जिला कमाण्डेन्ट होमगार्डस कौशाम्बी श्री विनोद द्विवेदी, क्लास्टर हेड एच0डी0एफ0सी0 बैंक श्री अखिलेश शुक्ला, बी0एम0 एस0डी0एफ0सी0 बैंक श्री राहुल तिवारी, श्री अखिलेश सिंह एवं श्री सत्येन्द्र त्रिपाठी, निरीक्षक होमगार्डस श्री सुनील कुमार यादव, ए0टू0डी0सी0 होमगार्डस श्री इन्द्रनारायण पाण्डेय सहित होमगार्डस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विपक्ष भारतीय संस्कृति को मिटाना चाहती है जिसे हम मिटने नहीं देंगे: महापौर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा सिविल लाइन कार्यालय में वोटर चेतना महाभियान की कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य स्थिति महापौर एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारे देश के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा पर भारतीय चंद्रयान की लैंडिंग कर भारत का तिरंगा लहरा दिया है। उन्होंने कहा जब देश का नेतृत्व मजबूत होता है तो देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी के साथ उड़ान भर रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ने वोटर चेतना महा अभियान के करणीय कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि हमें प्रत्येक बूथों पर 100 नये मतदाता बनाने का लक्ष्य साधना है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 25 और 26 अगस्त को मंडल स्तर पर कार्यशाला और 1 सितंबर से 15 सितंबर तक घर–घर जाकर मतदाता बनाने का अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही जिला मतदाता सूची प्रमुख, सह प्रमुख विधानसभा मतदाता सूची प्रमुख, सह प्रमुख, चुनाव आयोग समन्वय एवं मंडल मतदाता सूची प्रमुख, सह प्रमुख, मंडल आईटी टीम आदि का गठन किया गया। कार्यशाला का संचालन महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर पार्षद किरन जायसवाल, देवेश सिंह, रमेश पासी, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य, राजन शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, शोभिता श्रीवास्तव, राजू राय, मनोज कुमार कुशवाहा, रोहित पप्पू पांडे एवं मंडल अध्यक्ष, मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकल्प, विभाग के पदाधिकारी कार्यकर्ता और पार्षदगण उपस्थित रहे।

जिला नेहरू हॉकी प्रतियोगिता बालक एवं बालिका का आयोजन

प्रयागराज। जिला नेहरू हॉकी प्रतियोगिता बालक एवं बालिका अंडर 15 एवं अंडर 17 का आयोजन आज के.पी. इंटर कॉलेज के खेल मैदान में किया गया। बालक वर्ग के अंतर्गत प्रतियोगिता मे जनपद की तीन टीमों कर्नलगंज इंटर कॉलेज, मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज तथा मेजबान के.पी इंटर कॉलेज, ने प्रतिभाग किया तथा बालिका वर्ग में मात्र एक टीम के. पी. गर्ल्स इंटर कॉलेज ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ में मुख्य अतिथि नगर उत्तर के मुख्य संयोजक प्रधानाचार्य के. पी. इंटर कॉलेज डॉ. योगेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि उन्हें यह विश्वास है कि यहां उपस्थित सभी खिलाड़ी खेल भावना को महत्व देते हुए अपने उच्चतम खेल का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए कहां की हम लोग ऐसे महान खिलाड़ी के वंशज हैं कि एक बार पुनः हम सब का डंका विश्व पटल पर बजना चाहिए इसके लिए हमारे स्पोर्ट टीचर खिलाड़ी कड़ी मेहनत करके हॉकी खेल के गौरव को पुनः वापस लाएंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रशीद अहमद एवं ऋषि शर्मा ने निभाया। प्रतियोगिता में वरिष्ठ खेल अध्यापक अकील अब्बास रिजवी, आनंद सोनकर, रविंद्र त्रिपाठी, स्नेह सुधा, प्रेरणा तथा महत्वपूर्ण सहयोग सनी कुमार ने किया। पूरे प्रतियोगिता का आयोजन एवं संचालन खेल अध्यापक केपी इंटर कॉलेज उमेश कुमार खरे ने किया। प्रतियोगिता का समापन इस घोषणा के साथ हुआ कि नेहरू हॉकी मंडल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन कल 25 अगस्त को प्रातः10 बजे से इसी कालेज के मैदान पर होगा।

संक्षिप्त खबरे

थाना लालापुर पुलिस व आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना लालापुर पुलिस व आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा 01 अभियुक्त शिवदर्शन निषाद पुत्र रघुराई निषाद निवासी ग्राम जगदीशपुर थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को मुखबीर की सूचना पर दिनांक 23.08.2023 को जगदीशपुर नहर पुलिया बहद ग्राम जगदीशपुर थाना क्षेत्र लालापुर से गिरफ्तार किया गया । कब्जे से 40 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी ,बरामदगी के संबंध में थाना लालपुर में मु0अ0सं0 89/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– शिवदर्शन निषाद पुत्र रघुराई निषाद निवासी ग्राम जगदीशपुर थाना लालापुर जनपद प्रयागराज ,उम्र करीब 50 वर्ष । पंजीकृत अभियोग का विवरण– मु0अ0सं0 89/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण– 40 ली0 अवैध कच्ची देशी शराब गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण–1. आबकारी निरीक्षक नीरजा सिंह 2. उ0नि0 बलिराम कुमार थाना लालपुर कमिश्नरेट प्रयागराज 3.हे0का0 आबकारी सुशील कुमार राय 4. का0 आबकारी धीरेन्द्र कुमार यादव 5. का0 राहुल पटेल थाना लालपुर कमिश्नरेट प्रयागराज 6.का0 हरदेश कुमार थाना लालपुर कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना लालापुर पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना लालपुर पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय अपर सत्र कक्ष–19 इलाहाबाद के केस नं0–561/14 अ0सं0 109/13 धारा 308/304 भा0द0वि0 से संबंधित वारण्टी अभियुक्त सतीश पाण्डेय उर्फ अमित कुमार पुत्र केशरी पाण्डेय निवासी गोबरा थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को दिनांक 24.08.2023 को वहद् ग्राम गोबरा थाना क्षेत्र लालापुर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार वारण्टी का विवरण– सतीश पाण्डेय उर्फ अमित कुमार पुत्र केशरी पाण्डेय निवासी गोबरा थाना लालापुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 37 वर्ष ।संबंधित वारण्ट का विवरण– केस नं0–561/14 अ0सं0 109/13 धारा 308/304 भा0द0वि0 थाना लालापुर प्रयागराज,माननीय न्यायालय अपर सत्र कक्ष–19 इलाहाबाद । पुलिस टीम का विवरण–1–उ0नि0 कलीम अहमद थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।2–का0 राहुल पटेल थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना करछना पुलिस द्वारा वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना करछना में पंजीकृत मु0अ0सं0 480/20 धारा 380/506 भा0द0सं0 में वांछित अभियुक्त शंकर सोनकर उर्फ शिव शंकर पुत्र जयकरन निवासी ग्राम भुवालपुर भुण्डा थाना करछना प्रयागराज को थाना करछना पुलिस द्वारा दिनांक 23.08.2023 को ग्राम भुवालपुर थाना क्षेत्र करछना से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– शंकर सोनकर उर्फ शिव शंकर पुत्र जयकरन निवासी ग्राम भुवालपुर भुण्डा थाना करछना प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष । संबंधित अभियोग का विवरण–मु0अ0सं0 480/2020 धारा 380/506/411 भा0द0सं0 थाना करछना प्रयागराज । पुलिस टीम का विवरण– 1.उ0नि0 राजकुमार त्रिवेदी थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.उ0नि0 आकाश कुमार राय थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.कॉ0 धीरज कुमार थाना करछना कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना मुठ्ठीगंज पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना मुठ्ठीगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं–38/2023 धारा 498ए,323/506/377 भा0द0वि0 व = डीपी एक्ट थाना मुठ्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज के वांछित अभियुक्त अजय मेहरा उर्फ मनीष मेहरा पुत्र राजेन्द्र नाथ मेहरा निवासी आगरा बाम्बे फ्लैट कैरियर अग्रवाटिका के पीछे मसानी बाईपास लिंक रोड सरस्वती कुण्ड, थाना राजेन्द्र नगर, जनपद मथुरा को आज दिनांक 24.08.2023 को कोठापार्चा रेलवे पुल के नीचे थाना क्षेत्र मुठ्ठीगंज से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–अजय मेहरा उर्फ मनीष मेहरा पुत्र राजेन्द्र नाथ मेहरा निवासी आगरा बाम्बे फ्लैट कैरियर अग्रवाटिका के पीछे मसानी बाईपास लिंक रोड सरस्वती कुण्ड, थाना राजेन्द्र नगर, जनपद मथुरा। सम्बन्धित अभियोग का विवरण मु0अ0सं0– 38/2023 धारा 498ए,323/506/377 भा0द0वि0 व = डीपी एक्ट थाना मुठ्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।